X-101_201

विषय कोड : **101** **201**
Subject Code : **101** **201**

SECONDARY SCHOOL EXAMINATION - 2026
माध्यमिक स्कूल परीक्षा - 2026
(ANNUAL / वार्षिक)

प्रश्न पुस्तिका सेट कोड
Question Booklet Set Code
C

HINDI (MT)
मातृभाषा हिन्दी

713- 04879773
प्रश्न पुस्तिका क्रमांक
Question Booklet Serial No.

कुल प्रश्न : 100 + 6 = 106 — कुल मुद्रित पृष्ठ : 24
Total Questions : 100 + [illegible] — **Total Printed Pages : 24**
(समय : 3 घंटे 15 मिनट) — (पूर्णांक : 100)
[Time : 3 Hours 15 [illegible]] — [Full Marks : 100]

परीक्षार्थियों के लिये [illegible]

1. ***परीक्षार्थी OM[illegible] पर अपना प्रश्न पुस्तिका क्रमांक (10 अंकों का) अवश्य लिखें।***
2. *परीक्षार्थी यथासं[illegible] में ही उत्तर दें।*
3. *दाहिनी ओर हाशि[illegible] अंक पूर्णांक निर्दिष्ट करते हैं।*
4. *प्रश्नों को ध्यानपूर्व[illegible] परीक्षार्थियों को 15 मिनट का अ[illegible]मय दिया गया है।*
5. *यह प्रश्न पुस्तिका दो ख[illegible] अ एवं __खण्ड-ब__।*
6. ***खण्ड-अ में 100 वस्तुनि[illegible] से किन्हीं 50 प्रश्नो[illegible] देना अनिवार्य है।** 50 प्रश्नों से अधिक को [illegible] प्रत्येक के लिए **1 अंक** निर्धारित है। इनका उत्त[illegible] उत्तर-पत्रक में दिए गए सही विकल्प को **नीले / काले** [illegible] **प्रकार के [illegible]इटनर/ तरल पदार्थ / ब्लेड / नाखून आदि [illegible] प्रयोग करना मना है, अन्यथा परीक्षा परिणाम अमान्य होगा।***
7. ***खण्ड - ब में 6 विषयनिष्ठ प्रश्न हैं*** *। प्रत्येक प्रश्न के समक्ष अंक निर्धारित हैं ।*

खण्ड - ब

विषयनिष्ठ प्रश्न

1. निम्नलिखित गद्यांशों में से किसी **एक** गद्यांश को पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दें । प्रत्येक प्रश्न दो अंकों का होगा । $5 \times 2 = 10$

(क) हमारे देश में प्रौढ़ समुदाय का एक बहुत बड़ा भाग निरक्षर एवं अशिक्षित है । उनकी यह अवस्था एक बहुत बड़ी समस्या प्रस्तुत करती है । प्रौढ़ शिक्षा के लिए हमारे यहाँ शिक्षकों का अभाव है । उम्र बढ़ जाने पर प्रौढ़ों में सीखने की इच्छा में कमी आ जाती है । कक्षा में बैठकर पढ़ने में संकोच होता है । समय के अभाव के कारण भी प्रौढ़ शिक्षा लेने में कष्ट अनुभव करते हैं । हमारे किसान एवं कामगारों का जीवन बहुत ही कठिन एवं श्रम साध्य है । उन्हें भी आराम एवं मनोरंजन की आवश्यकता होती है, जो प्रायः गाँवों में उपलब्ध नहीं है । प्रौढ़ शिक्षा केन्द्रों पर जो कुछ सिखाया तथा पढ़ाया जाता है, उसका उनके जीवन में बहुत

उपयोग है । प्रौढ़ शिक्षा का नवीनीकरण तथा उसकी उपयोगिता को सामाजिक बनाना आवश्यक है ।

(i) हमारे देश का प्रौढ़ समुदाय कैसा है ?

(ii) कैसी शिक्षा के लिए शिक्षकों का अभाव है ?

(iii) किन्हें कक्षा में बैठकर पढ़ने में संकोच होता है ?

(iv) हमारे देश के किसानों का जीवन कैसा है ?

(v) किस शिक्षा का नवीनीकरण आवश्यक है ?

(ख) देशभक्ति के गीतों की परम्परा में महेन्द्र कपूर का नाम महत्त्वपूर्ण है । जब भी हम महेन्द्र कपूर का जिक्र करते हैं, तो हमारे मन में उनकी छवि देशराग के एक अहम् गायक के रूप में उभरती है । यह सच है कि देशभक्ति और परम्परागत मूल्यों के जितने लोकप्रिय अनूठे गाने

महेन्द्र कपूर ने गाए हैं उतनी संख्या में उतने श्रेष्ठ गाने दूसरे गायकों ने नहीं गाए होंगे । महेन्द्र कपूर के नाम का स्मरण करते ही हमारे जेहन में एक ऐसे गायक की छवि कौंध जाती है जो मद्धिम स्वरों में भी उतनी ही खूबसूरती से गाता है जितना ऊँचे सुरों में । एक ऐसा गायक जिनकी छवि बेहद सहज और शालीन इंसान की है । वे बेहद अनुशासन के साथ अपने सुरों को साधते हैं ।

(i) देशभक्ति गीतों के लिए किनका नाम महत्त्वपूर्ण है ?

(ii) महेन्द्र कपूर ने कैसे गीत गाए हैं ?

(iii) महेन्द्र कपूर कैसे इंसान थे ?

(iv) मद्धिम और ऊँचे सुरों में खूबसूरती से कौन गाता था ?

(v) महेन्द्र कपूर अपने सुरों को कैसे साधते थे ?

2. निम्नलिखित गद्यांशों में से किसी **एक** गद्यांश को पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दें । प्रत्येक प्रश्न दो अंकों का होगा : $5 \times 2 = 10$

(क) सत् और चरित्र इन दो शब्दों के मेल से 'सच्चरित्र' शब्द बना है । सत् का अर्थ होता है अच्छा एवं चरित्र का तात्पर्य है आचरण, चाल-चलन, स्वभाव, गुण-धर्म इत्यादि । इस तरह सच्चरित्रता का तात्पर्य है अच्छा चाल-चलन, अच्छा स्वभाव, सदाचार इत्यादि । मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है अतः परस्पर सहयोग द्वारा ही उसका जीवन यापन सम्भव है । इसके लिए व्यक्ति में ऐसे गुणों का होना आवश्यक है जिनके द्वारा वह समाज में शान्तिपूर्वक रहते हुए देश की प्रगति में अपना महत्त्वपूर्ण योगदान दे सके । काम, क्रोध, लोभ, सन्ताप, निर्दयता एवं ईर्ष्या जैसे अवगुण मनुष्य के सामाजिक जीवन में अशान्ति उत्पन्न करते हैं ।

(i) 'सच्चरित्र' शब्द किन शब्दों के मेल से बना है ?

(ii) मनुष्य कैसा प्राणी है ?

(iii) कौन-से अवगुण मनुष्य के सामाजिक जीवन में अशान्ति उत्पन्न करते हैं ?

(iv) मनुष्य का जीवन यापन कैसे सम्भव है ?

(v) सच्चरित्रता का क्या तात्पर्य है ?

(ख) हिंसा के द्वारा जनमानस में भय या आतंक पैदा करना तथा आतंक के द्वारा अपने उद्देश्यों को पूरा करना आतंकवाद है । यह उद्देश्य राजनीतिक, धार्मिक या आर्थिक ही नहीं सामाजिक या अन्य किसी भी प्रकार का हो सकता है । वैसे तो आतंकवाद के कई प्रकार हैं, किन्तु इनमें से तीन ऐसे हैं जिनसे पूरी दुनिया अत्यधिक त्रस्त है । ये तीन आतंकवाद हैं – राजनीतिक आतंकवाद, धार्मिक कट्टरता एवं गैर-राजनीतिक या सामाजिक आतंकवाद। श्रीलंका में लिट्टे समर्थकों एवं अफगानिस्तान में तालिबानी संगठनों की गतिविधियाँ राजनीतिक आतंकवाद के उदाहरण हैं ।

(i) आतंकवाद क्या है ?

(ii) पूरी दुनिया किससे त्रस्त है ?

(iii) तीन आतंकवाद कौन-कौन हैं ?

(iv) श्रीलंका में लिट्टे समर्थक किस आतंकवाद का उदाहरण हैं ?

(v) अफगानिस्तान का आतंकवादी संगठन का क्या नाम है ?

3. निम्नलिखित में से किसी **एक** विषय पर दिए गए संकेत-बिन्दुओं के आधार पर लगभग **250 - 300** शब्दों में निबंध लिखें : 1 × 10 = 10

(क) राष्ट्रीय खेल हॉकी

(i) भूमिका

(ii) खिलाड़ी और हॉकी खेलने का समय

(iii) महत्व

(iv) निष्कर्ष

(ख) मेरा परिवार

(i) परिचय

(ii) परिवार के स्नेह का महत्त्व

(iii) संयुक्त परिवार के लाभ-हानि

(iv) छोटा परिवार के लाभ-हानि

(v) निष्कर्ष

(ग) महँगाई

(i) भूमिका

(ii) कारण

(iii) रोकने के उपाय

(iv) निष्कर्ष

(घ) कोरोना : एक महामारी

(i) भूमिका

(ii) कोरोना वायरस क्या है ?

(iii) लक्षण

(iv) बचाव

(v) निष्कर्ष

(ङ) होली

(i) भूमिका

(ii) इतिहास (पौराणिक कथा)

(iii) महत्व

(iv) निष्कर्ष

4. जन्म दिन के उपलक्ष्य में अपनी छोटी बहन को एक बधाई पत्र लिखें । 1 × 5

अथवा

इन्टरनेट की उपयोगिता के बारे में दो छात्रों के बीच संवाद को लिखिए ।

5. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर प्रत्येक लगभग **20-30** शब्दों में दें :

5 × 2 = 10

(क) अंबेदकर के अनुसार जातिप्रथा भारत में बेरोजगारी का एक प्रमुख और प्रत्यक्ष कारण कैसे बनी हुई है ?

(ख) मैक्स मूलर वास्तविक इतिहास किसे मानते हैं और क्यों ?

(ग) 'स्वाधीनता' शब्द की सार्थकता लेखक हजारी प्रसाद द्विवेदी क्या बतलाते हैं ?

(घ) गुरु नानक की दृष्टि में ब्रह्म का निवास कहाँ है ?

(ङ) कवि घनानंद अपने आँसुओं को कहाँ पहुँचाना चाहते हैं ?

(च) कवि प्रेमघन ने 'डफाली' किसे कहा है और क्यों ?

(छ) बारी किसे कहते हैं ? मंगम्मा और लेखिका में बारी की रीति कैसी थी ?

(ज) लक्ष्मी ने विपत्ति का ख्याल कर क्या इंतजाम किया ?

(झ) मैक्स मूलर की दृष्टि में सच्चे भारत के दर्शन कहाँ हो सकते हैं और क्यों ?

(ञ) वाणी कब विष के समान हो जाती है ?

6. निम्नलिखित में से किसी **एक** की व्याख्या करें (शब्द सीमा लगभग **100**) : 1 × 5 =

(क) "गमले सा टूटता हुआ उसका 'ग'

घड़े सा लुढ़कता हुआ उसका 'घ' "

(ख) "नहानघर की नाली क्षणभर के लिए पूरी भर गई, फिर बिलकुल खाली हो गयी ।"

खण्ड—ब

1. (क) (i) हमारे देश में प्रौढ़ समुदाय निरक्षर एवं अशिक्षित हैं।
(ii) प्रौढ़ शिक्षा के लिए शिक्षकों का अभाव है।
(iii) प्रौढ़ को कक्षा में बैठकर पढ़ने में संकोच होती है।
(iv) हमारे देश में किसानों का जीवन कठिन एवं श्रम साध्य हैं।
(v) प्रौढ़ शिक्षा का नवीनीकरण आवश्यक है।
(ख) (i) देशभक्ति गीतों के लिए महेन्द्र कपूर का नाम महत्वपूर्ण है।
(ii) महेन्द्र कपूर ने देशभक्ति और परम्परागत मूल्यों के गाने गाए हैं।
(iii) महेन्द्र कपूर की छवि सहज और शालीन इंसान की है।
(iv) मद्धिम और ऊँचे सुरों में खूबसूरती से महेन्द्र कपूर गाते थे।
(v) महेन्द्र कपूर अपने सूरों के बेहद अनुशासन के साथ साधते थे।

2. (क) (i) सच्चरित्र शब्द सत् और चरित्र इन दोनों शब्दों के मेल से बना है।
(ii) मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है।
(iii) काम, क्रोध, लोप, संताप, निर्दयता एवं ईर्ष्या जैसे अवगुण मनुष्य के सामाजिक जीवन में अशांति उत्पन्न करते हैं।
(iv) मनुष्य का जीवन यापन परस्पर सहयोग द्वारा सम्भव है।
(v) सच्चरित्रता का तात्पर्य है अच्छा चाल-चलन, स्वभाव, गुणधर्म इत्यादि।
(ख) (i) हिंसा के द्वारा जनमानस में भय या आतंक पैदा करना तथा आतंक के द्वारा अपने उद्देश्यों को पूरा करना आतंकवाद है।
(ii) पूरी दुनिया आतंकवाद से त्रस्त हैं।
(iii) राजनीतिक आतंकवाद, धार्मिक कट्टरता एवं गैर-राजनीतिक या सामाजिक आतंकवाद।
(iv) श्रीलंका में लिट्टे समर्थक राजनीतिक आतंकवाद का उदाहरण है।
(v) अफगानिस्तानी आतंकवादी संगठन का नाम 'तालिबान' है।

3. (क) राष्ट्रीय खेल 'हॉकी'

(i) भूमिका—हॉकी एक लोकप्रिय खेल है। यह खेल विद्यार्थियों के द्वारा बहुत ही पसंद किया जाता है। यह हमारे देश का राष्ट्रीय खेल है। इस खेल के अस्तित्व को प्राचीन ओलम्पिक खेलों से पहले 1200 साल पुराना खेल माना जाता है।

(ii) खिलाड़ी एवं खेलने का समय—इस खेल के दल सामान्य संयोजन में पाँच खिलाई फारवर्ड, तीन हाफबैंक, दो फुलबैंक और एक गोलकीपर होते हैं। एक खेल में 35 मिनट के दो भाग होते हैं, जिनमें 5 से 10 मिनट का अन्तराल होता है।

(iii) महत्त्व—हॉकी खेल का भारत में बहुत ही महत्व है। यह भारत का महत्वपूर्ण खेल है क्योंकि भारत हॉकी के क्षेत्र में कई वर्षों तक विश्व विजेता बना है इसलिए इसे भारत के राष्ट्रीय खेल के रूप में चुना गया है। इस खेल का इतिहास बड़ा और महान है। क्योंकि यह बुद्धिमान खिलाड़ियों द्वारा भारत की जड़ों में गहराई तक समाया हुआ है।

(iv) निष्कर्ष—हॉकी हमारा राष्ट्रीय खेल है, इसलिए भी विद्यार्थियों के द्वारा सबसे ज्यादा पसंद किया जाता है। हॉकी के लिए दूसरा स्वर्णकाल लाने के लिए इसे कॉलेज और स्कूलों में विद्यार्थियों को नियमित भागीदारी के द्वारा बढ़ावा दिया जाना चाहिए। योग्य बच्चों को स्कूली स्तर पर हॉकी के सही तरीके से खेलना सिखाना चाहिए।

भारतीय हॉकी की गरिमा बनाए रखने के लिए सरकार द्वारा हॉकी खेलने वाले विद्यार्थियों के लिए धन कोष वित्तीय सुविधाओं के साथ अन्य सुविधाओं को मुहैया कराना चाहिए।

(ख) मेरा परिवार

(i) परिचय—'मेरा परिवार' गाँव में अन्य लोगों के परिवार से बहुत बड़ा एवं संगठित रूप में है। मेरे परिवार के सभी सदस्य कर्मठ, सद्वैचारिक

एवं अनुशासन प्रिय है। हमारे परिवार में बड़ों का आदर एवं छोटों के सम्मान होता है। आज भी मेरा परिवार संयुक्त परिवार श्रेणी में जीवन व्यतीत कर रहा है।

(ii) परिवार के स्नेह का महत्त्व—मानव जीवन में परिवार एक मूल जड़ होती है। समाजशास्त्र में परिवार को प्राथमिक समूह को दर्जा प्राप्त है। परिवार में आपसी स्नेह और दुलार का अद्वितीय दृश्य देखने को मिलता है। क्योंकि यह स्नेह बनाया हुआ नहीं होता है अर्थात् प्रकृति प्रदत्त होता है। पारिवारिक स्नेह मनुष्य के जीवन में वृद्धि एवं विकास का मूल स्रोत माना जाता है।

बहुत सारे शिक्षाविदों का मानना है कि जिस परिवार में बच्चों के साथ स्नेह पूर्ण व्यवहार किया जाता है उसका सामाजीकरण एवं बुद्धि अलग होती है और उसको अपने मंजिल तक पहुँचने में कठिनाई नहीं होती है।

(iii) संयुक्त परिवार के लाभ-हानि—

लाभ—इस तरह के परिवारों में सभी सदस्य एक-दूसरे की सहायता करते हैं। इसमें कोई सदस्य ज्यादा काम करता है या कोई सदस्य कम कार्य करता है, उससे कोई फर्क नहीं पड़ता। इस मुद्दे पर कोई लड़ाई-झगड़ा नहीं होता। ऐसे परिवारों के सभी सदस्य एक निश्चित लक्ष्य के लिए कार्य करते हैं और वही उद्देश्य ही उन परिवारों के अस्तित्व को बचाकर रखता है।

हानि—बहुत ऐसे भी संयुक्त परिवार होते जहाँ संयुक्तता के कारण हानि भी होती है, जहाँ पर सदस्यों की बहुलता को देखते हुए बहुत लोग बेकार यानि अकर्मण्य हो जाते हैं और अन्त में उनका जीवन बेकार हो जाता है। बहुत सारे ऐसे भी संयुक्त परिवार होते हैं जो अपनी संख्या के बल पर गरीब या लाचार आदमी को तबाह भी करते हैं।

(iv) छोटा परिवार के लाभ एवं हानि—

लाभ—छोटे परिवार भी व्यक्ति के जीवन को सुव्यवस्थित करने में मददगार साबित होता है। कहने का तात्पर्य यह है कि जहाँ पर सदस्य कम होते हैं वहाँ पर जो होते हैं उनका देख-भाल अच्छे तरीके से हो पाती है, इस प्रकार की देखभाल संयुक्त परिवारों में नहीं हो पाती है।

हानि—एकल परिवार में लाभ के साथ-साथ हानि भी होती है। एकल परिवार में ऐसे भी परिवार है जहाँ पर आमदनी का स्रोत कम हो जाता है या है तो परिवार के सदस्यों को तकलीफ होने लगता है लेकिन संयुक्त परिवार में सभी का कार्य एवं इच्छा की पूर्ति होती रहती है।

निष्कर्ष—परिवार मानव की प्राथमिक समूह है और यह प्रकृति प्रदत एक जड़त्व संस्था है। इस संस्था को सुचारू एवं विधिवत संचालन हेतु निरन्तर प्रयास करते रहना चाहिए।

इस समूह में विधिवत चलने के लिए अहम् एवं ईर्ष्या को समाप्त कर देना ही उपाय है। हर मानव को सदा यहीं प्रयास करना चाहिए कि मेरा परिवार सदा विचार रूप से संयुक्त रहे।

(ग) महँगाई

भूमिका—वर्तमान समय में निम्न मध्य वर्ग महँगाई की समस्या से त्रस्त है। यह महँगाई रूकने का नाम ही नहीं लेती, यह तो सुरसा की तरह बढ़ती ही चली जा रही है। ऐसा प्रतीत होता है कि सरकार का महँगाई पर कोई नियंत्रण रह ही नहीं गया है।

महँगाई की वर्तमान स्थिति—महँगाई बढ़ने के कई कारण हैं। उत्पादन में कमी तथा माँग में वृद्धि होना महँगाई का मुख्य कारण है। माँग और पूर्ति के असंतुलित होते ही महँगाई को अपने पाँव फैलाने का अवसर मिल जाता है। कभी-कभी सूखा, बाढ़, अतिवृष्टि जैसे प्राकृतिक प्रकोप भी उत्पादन को प्रभावित करते हैं। जमाखोरी भी महँगाई बढ़ाने का प्रमुख कारण है। जमाखोरी से शुरू होती है कालाबाजारी। दोषपूर्ण वितरण प्रणाली, अंधाधुंध मुनाफाखोरी की प्रवृत्ति तथा सरकारी अंकुश का अप्रभावी होना भी महँगाई के कारण हैं। ये कालाबाजारी लोग पहले वस्तुओं का नकली अभाव उत्पन्न करते हैं और फिर जब उन वस्तुओं की माँग बढ़ जाती है तो फिर महँगे दामों पर उसे बेचते हैं।

महँगाई का जन-जीवन पर प्रभाव—रोटी, कपड़ा और मकान प्रत्येक व्यक्ति की मौलिक आवश्यकताएँ हैं। वह इन्हें पाने के लिए रात-दिन प्रयास करता रहता है। एक सामान्य व्यक्ति केवल इतना चाहता है कि उसे जीवनोपयोगी वस्तुएँ आसानी से और उचित दर पर उपलब्ध होती रहे।

उपसंहार—कीमतों में वृद्धि एक अभिशाप है। देश को हर हालत में इससे मुक्त करना अनिवार्य है। इसके लिए उत्पादन में वृद्धि करना चाहिए। उत्पादन-कार्य हर हालत में चलता रहे, यही सब लोगों का प्रयास होना चाहिए। व्यापारियों को कालाबाजार का धंधा बंद करना चाहिए। इस कार्य में हर नागरिक का सहयोग अपेक्षित है।

4. प्रिय बहन अरून्धती
सदा खुश रहो,

महावीर टोला
आरा
दिनांक : 18.03.2022

मैं यहाँ सकुशल रह रहा हूँ और मुझे पूर्ण विश्वास है कि तुम भी सकुशल होगी। इस पत्र के माध्यम से मैं तुम्हें जन्म-दिन की बधाई देना चाहता हूँ।

तुम्हें जन्म-दिन की ढेरों शुभकामाएँ। तुम हजारे साल जिओ, हमारी भी उम्र तुमको लगे। तुम्हारे जन्म-दिन के अवसर पर मैं अपने दोस्तों को भी मिठाई खिलाऊँगा। विशेष बात अब अगले पत्र में होगी, माँ और पिताजी को मेरे तरफ से प्रणाम बोल देना।

पता : ....
....

तुम्हारा भाई
शान्तनु

- **(क) जातिप्रथा और बेरोजगारी:** अंबेडकर के अनुसार, जातिप्रथा मनुष्य को एक ही पेशे में जीवनभर के लिए बाँध देती है। पेशा परिवर्तन की अनुमति न होने के कारण, तकनीक या स्थिति बदलने पर व्यक्ति भूखा मरने को मजबूर हो जाता है। इसीलिए यह बेरोजगारी का प्रमुख कारण है।
- **(ख) वास्तविक इतिहास:** मैक्स मूलर के अनुसार, **भारत का प्राचीन इतिहास (विशेषकर संस्कृत और वेदों का ज्ञान)** ही वास्तविक इतिहास है। क्योंकि यह मानव चिंतन के विकास की वह कड़ी है जो विश्व के अन्य देशों में उपलब्ध नहीं है।

- **(ग) 'स्वाधीनता' की सार्थकता:** लेखक हजारी प्रसाद द्विवेदी कहते हैं कि 'स्वाधीनता' का अर्थ है– **अपने ही अधीन रहना**। यह शब्द भारतीय परंपरा के 'स्व' (Self-restraint) को दर्शाता है, जो हमें खुद पर नियंत्रण रखना सिखाता है।

- **(घ) ब्रह्म का निवास:** गुरु नानक की दृष्टि में, जो मनुष्य मान-अपमान से परे है और जिसने **काम-क्रोध का त्याग** कर दिया है, उसके हृदय में ही ब्रह्म (ईश्वर) का निवास होता है।

- **(ङ) घनानंद के आँसू:** कवि घनानंद अपने विरह की वेदना रूपी आँसुओं को बादलों के माध्यम से अपनी **प्रेयसी 'सुजान' के आँगन** में पहुँचाना चाहते हैं ताकि उसे उनकी विरह-व्यथा का पता चले।

- **(च) 'डफाली' का अर्थ:** कवि प्रेमघन ने उन भारतीयों को 'डफाली' कहा है जो **विदेशी संस्कृति और अंग्रेजी भाषा** की झूठी प्रशंसा (चापलूसी) करते रहते हैं। वे अपनी संस्कृति भूलकर दूसरों के गुण गाते हैं।

- **(छ) बारी की रीति:** 'बारी' का अर्थ है— रोज़ाना दही देना और महीने के अंत में पैसे लेना। मंगम्मा लेखिका को प्रतिदिन दही देती थी और बदले में महीने के अंत में भुगतान लेती थी; यही उनकी **बारी की रीति** थी।

- **(ज) लक्ष्मी का इंतजाम:** लक्ष्मी ने आने वाली विपत्ति (बाढ़) को भांपकर अपनी साड़ी खोलकर उसमें **चिउड़ा, बर्तन और कीमती चीजें** बाँध लीं और गाय-बछड़ों को खूँटे से खोल दिया ताकि वे अपनी जान बचा सकें।

- **(झ) सच्चे भारत के दर्शन:** मैक्स मूलर के अनुसार, सच्चे भारत के दर्शन **भारत के गाँवों** में हो सकते हैं। क्योंकि शहरों में कृत्रिमता है, जबकि गाँवों में आज भी भारत की प्राचीन संस्कृति, रीति-रिवाज और सच्ची आत्मा जीवित है।

- **(ञ) वाणी विष के समान:** गुरु नानक के अनुसार, जब मनुष्य **'राम-नाम' (ईश्वर भक्ति)** का त्याग कर देता है, तब उसकी वाणी विष के समान हो जाती है। बिना प्रभु सुमिरन के व्यक्ति का बोलना और खाना दोनों व्यर्थ है।

6. (क) प्रस्तुत पंक्तियाँ कवयित्री अनामिका द्वारा लिखित कविता 'अक्षर ज्ञान' से ली गई हैं। इनमें कवयित्री ने अक्षर-ज्ञान के माध्मय से मानव जीवन के मूल रहस्य को उद्घाटित करने का प्रयास किया है।

कवयित्री का कहना है कि व्यक्ति को अपने लक्ष्य की प्राप्ति के लिए वैसी ही कठिनाई का अनुभव होता है जिस प्रकार बच्चों को अक्षर ज्ञान की प्रारंभिक शिक्षण प्रक्रिया में आती है। तात्पर्य यह कि जीवन एक ऐसी समस्या है जिसका समुचित ज्ञान तभी होता है, जब व्यक्ति उसके अनुकूल लगातार परिश्रम करता है। यदि वह लीक से हटकर प्रयास करता है तो उसकी कल्पना गमले के समान टूट जाती है अथवा घड़े के समान लुढ़कती रह जाती है। परिणामतः उसे लक्ष्य की प्राप्ति नहीं हो पाती। भाषा सहज, सरल तथा भावनात्मक है। 'घड़े-सा लुढ़कता हुआ उसका 'घ' में कल्पना अलंकार है। क्योंकि कल्पना या प्रयास को घड़े के समान बताया गया है।

(ख) प्रस्तुत गद्यांश विनोद कुमार शुक्ल द्वारा लिखित कहानी 'मछली' शीर्षक पाठ से लिया गया है। इसमें लेखक ने पूरे घर में फैली मछलियों जैसे गंध के विषय में प्रकाश डाला है।

लेखक का कहना है कि बाल्टी को उलटने पर पानी तो क्षण भर में निकल गया और स्नान घर की नाली बिल्कुल खाली हो गई। लेकिन, सारा घर मछलियों की गंध से भर गया। लेखक के कहने का तात्पर्य है कि जब व्यक्ति की संवेदना नष्ट हो जाती है तब वह पूरे वातावरण को दूषित बना देता है। उसके इस दोष का प्रभाव समाज पर इस प्रकार पड़ता है कि उसके मरने के बाद भी वह दोष लोगों को डँसता रहता है। अर्थात् जब बुराई फैल जाती है तो दीर्घ काल तक समाज को परेशान करती रहती है। लोगों का दम घूँट जाता है। जैसे बाल्टी में मछली रखा पानी को बहा दिया जाता है, किन्तु मछली की गंध कायम रहती है और पूरे-परिवार को बेचैन बनाए रखती है।